भारत की सांस्कृतिक विरासत और शिक्षा प्रणाली का इतिहास अत्यंत प्राचीन तथा पूर्ण रूप से समृद्ध रहा है जहाँ नालंदा और तक्षशिला जैसे महान् विश्वविद्यालयों ने संपूर्ण विश्व को ज्ञान विज्ञान और दर्शन का अद्भुत मार्ग दिखाया था। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान 18 जुलाई 1857 को कलकत्ता बंबई और मद्रास में तीन आधुनिक विश्वविद्यालयों की आधिकारिक स्थापना की गई थी जिसने देश में उच्च शिक्षा की एक नई और मज़बूत नींव रखी। स्वामी विवेकानंद जिनका जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था उन्होंने 11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में अपने ऐतिहासिक और ओजस्वी भाषण से भारतीय संस्कृति तथा वेदांत दर्शन का उत्कृष्ट परचम पूरी दुनिया में लहराया था। उनके जन्मदिन को आज हम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में अत्यंत उत्साह और असीम श्रद्धा के साथ मनाते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत सरकार ने सार्वजनिक शिक्षा के क्षेत्र में अनेक ढाँचागत और क्रांतिकारी सुधार किए हैं। वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम भारतीय संसद में पारित किया गया जिसे 1 अप्रैल 2010 से पूरे देश में पूर्ण रूप से लागू कर दिया गया। यह ऐतिहासिक कानून 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का संवैधानिक और मौलिक अधिकार प्रदान करता है। आज हमारे देश की कुल साक्षरता दर 77 प्रतिशत के संतोषजनक आँकड़े को पार कर चुकी है और लड़कियों की शिक्षा में भी अभूतपूर्व प्रगति देखने को मिली है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत ज़िले से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी अत्यंत महत्त्वपूर्ण और कल्याणकारी योजना का सफल शुभारंभ किया गया था जिसका परम उद्देश्य समाज में घटते लिंगानुपात को रोकना और बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना था। इसके फलस्वरूप आज देश के कई पिछड़े राज्यों और सुदूर गाँवों में भी 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या में ज़बरदस्त और सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। स्वास्थ्य और स्वच्छता के दृष्टिकोण से 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई थी जिसके अंतर्गत संपूर्ण देश में 11 करोड़ से अधिक नए शौचालयों का निर्माण करके भारत को खुले में शौच से पूर्ण रूप से मुक्त करने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया। वर्तमान समय में जब भारत की कुल आबादी 1.43 अरब के विशाल आँकड़े को छू रही है तब यहाँ के युवा वर्ग का कौशल विकास करना नितांत अनिवार्य हो गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 15 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का विधिवत आरंभ किया गया ताकि 1 करोड़ से अधिक युवाओं को तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके। खेल जगत में भी भारत ने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपने राष्ट्र का सिर गर्व से ऊँचा किया है। 7 अगस्त 2021 को टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने 87.58 मीटर दूर भाला फेंककर एथलेटिक्स में भारत को अपना पहला और ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया था जिसके सम्मान में अब प्रतिवर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस अत्यंत उल्लास के साथ मनाया जाता है।